साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

जहर पीने से किशोरी की मौत

भंडारा-मूल रूप से छत्तीसगढ़ की रहने वाली और वर्तमान में माटोरा स्थित एक फार्म हाउस में रह रही धनेश्वरी किसन बारले (16) ने जहरीली दवा का सेवन कर लिया. तबीयत बिगड़ने पर उसे भंडारा जिला अस्पताल से नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.

सामाजिक न्याय विभाग की ओर से लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ

बुलंद गोंदिया। सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग, शाहू, फुले और अंबेडकर की विचारधाराओं पर काम करता है और पिछड़े वर्गों के शैक्षिक, आर्थिक और सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास करता है। समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त का कार्यालय निम्नलिखित सफल योजनाओं को लागू करता है-

मृत व्यक्ति के पात्र उत्तराधिकारी को सरकारी नौकरी देने के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की गई है-जो 20 नवंबर 2025 के सरकारी प्रस्ताव के अनुसार है। यह उन मामलों पर लागू होता है जहाँ हत्या या अत्याचार के कारण मौत हुई हो, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधित अधिनियम, 2015) के तहत दर्ज किए गए हों। इसमें सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग और आदिवासी विकास विभाग के तहत सरकारी संस्थानों में नौकरी दी जाती है। इस अधिनियम के तहत, जिले में अनुसूचित जाति (20 मामले) और अनुसूचित जनजाति (10 मामले) के व्यक्तियों की हत्या या मौत से जुड़े कुल 30 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से, 25 उत्तराधिकारियों-अनुसूचित जाति से 16 और अनुसूचित जनजाति से 9-के आवेदन सरकारी नौकरी के लिए पात्र पाए गए। 20 अप्रैल 2026 को, जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्थित नियोजन भवन हॉल में, जिले के प्रभारी मंत्री श्री इंद्रनील नाइक द्वारा गोंदिया जिले की अनुसूचित जातियों के 8 उत्तराधिकारियों को ग्रुप-डी सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र बांटे गए। 13 से 18 जनवरी 2026 तक, गोंदिया जिले के तीन सरकारी आवासीय स्कूलों के 45 छात्रों (लड़के और लड़कियां) ने कोलकाता में साइंस सिटी, बिड़ला तारामंडल, विक्टोरिया मेमोरियल संग्रहालय, बॉटनिकल गार्डन और IIT का दौरा किया। खड़गपुर और विशाखापत्तनम में VMRDA INS कर्सुरा पनडुब्बी संग्रहालय का अध्ययन दौरा आयोजित किया गया; नागपुर से कोलकाता की यात्रा हवाई मार्ग से की गई। वर्ष 2025-26 में, गोंदिया जिले में अनुसूचित जाति के 4,415 छात्रों (लड़के और लड़कियां) को पोस्ट-मैट्रिक शिक्षा के लिए भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिला। इसके अलावा, 2.50 लाख से ज़्यादा सालाना आय वाले अनुसूचित जाति के परिवारों के 83 छात्रों को फ्रीशिप स्कीम के तहत फ़ायदे दिए गए। सामाजिक न्याय विभाग 8 हॉस्टल चलाता है, जिनमें अभी 134 लड़के और 402 लड़कियाँ रह रहे हैं। साथ ही, विभाग गोंदिया ज़िले में 3 सरकारी आवासीय स्कूल भी चलाता है, जहाँ 173 लड़के और 315 लड़कियाँ पढ़ाई कर रहे हैं; कक्षा 6 से 10 तक के छात्र सभी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं और तीनों स्कूलों के पास ISO सर्टिफ़िकेशन है। जो छात्र सरकारी हॉस्टल में दाखिला नहीं ले पाए, उनके लिए सरकार डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर स्वधार स्कीम चलाती है; इस स्कीम के तहत, साल 2025-26 में 287 छात्रों को ?124.00 लाख दिए गए। महाराष्ट्र सरकार के सभी के लिए आवास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, रमाई घरकुल (शहरी) स्कीम के तहत साल 2025-26 के लिए 55 आवास इकाइयों का लक्ष्य रखा गया था, और 25 इकाइयों के प्रस्ताव पहले ही मंज़ूर किए जा चुके हैं। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सामाजिक विकास स्कीम के तहत, सरकार ने ?4.00 करोड़ के मंज़ूर फंड के साथ 45 प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है; इनमें से 15 प्रोजेक्ट्स पर अभी काम चल रहा है। शहरी इलाकों में अनुसूचित जाति और नव-बौद्ध समुदायों की बस्तियों के विकास के लिए 1,469.00 लाख आवंटित किए गए, जबकि ग्रामीण इलाकों के लिए ?1,300.00 लाख आवंटित किए गए। अनुसूचित जाति उप-योजनाके तहत, साल 2025-26 के लिए ?4,600.00 लाख का बजट मंज़ूर किया गया है; इसमें से ?531.00 लाख कृषि और उससे जुड़ी सेवाओं के लिए रखे गए हैं ताकि कृषि और डेयरी सेक्टर में पिछड़े वर्ग के समुदायों की तरक्की हो सके। मंज़ूर किए गए ?4,600.00 लाख के पूरे फंड का इस्तेमाल 31 मार्च, 2026 तक किया जा रहा है, ताकि पिछड़े वर्ग के समुदायों के लिए योजनाओं को असरदार ढंग से लागू किया जा सके।

राज्य परिवहन बस व टिप्पर की भीषण टक्कर बड़ी जनहानि नहीं

बुलंद गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले अर्जुनी मोरगांव-नीलज मार्ग पर रामघाट वन क्षेत्र परिसर में शनिवार 6 जून की दोपहर 12:00 के दौरान राज्य परिवहन की बस वह गौण खनिज मुरुम ले जा रहे हैं टिप्पर के बीच भीषण टक्कर हो गई इस गंभीर हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई लेकिन टिप्पर चालक जख्मी हो गया तथा वाहन को नुकसान हुआ है गौरतलब है की दिनकर नगर साकोली मार्ग की एसटी बस ग्राम-अर्जुनी मोरगांव-नीलज मार्ग से जा रही थी इसी समय रामघाट वन क्षेत्र से विपरीत दिशा से आ रहा टिप्पर डायवर्सन मार्ग पर आते हुए सड़क पर तीखा मोड होने के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देने के चलते बस वह टिप्पर की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इसकी जोरदार हुई आवाज से परिसर के नागरिक व यात्री सहम गए तथा बस में सवार यात्रियों में खलबली मच गई प्रत्यक्ष दर्शियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बस चालक की सतर्कता के चलते बस सड़क से नहीं उतरी जिससे एक गंभीर हादसा टल गया तथा बस के सभी यात्री सुरक्षित थे। इस दुर्घटना में टिप्पर का सामने का हिस्सा व बस क्षतिग्रस्त हो गई तथा टिप्पर चालक घायल हो गया जिसे उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रवाना किया गया। इस हादसे के चलते मार्ग का यातायात कुछ समय तक प्रभावित रहा तथा नागरिकों वह पुलिस की सहायता से यातायात को सुचारु किया गया व मामले की अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

बोरवेल के विवाद में लाठी से प्रहार

गोंदिया-सालेकसा थाने के तहत जमाकुड़ा निवासी फिर्यादी काशिराम फागू चौरे (57) ने आरोपी से कहा कि मेरे घर की बोरवेल बंद है और तु अपने घर पर बोरवेल खोद रहा है, पहले मेरे घर की बोरवेल बना दे. जिस पर आरोपी जागेश्वर भीमराव मोहबे (35) उसे तु यहां ज्यादा मत कर ऐसा कहते हुए लाठी से प्रहार कर दिया. साथ ही आरोपी भीमराव बालाराम मोहबे (65) ने लात-घुसों से मारपीट की. वहीं आगे देख लेने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार गणेश सौंजाल कर रहे हैं. जिले में पानी की कमी साफ तौर पर देखी जा सकती है. एक ओर नागरिकों को पानी की समस्या हो रही है वहीं लोगों में हो रहे इस तरह की घटनाओं से जिले की शांति व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है.

नगर परिषद का सार्वजनिक शौचालय रिपेयरिंग के नाम पर डेढ़ माह से बंद कर्मचारियों और नागरिकों को हो रही भारी परेशानी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया नगर परिषद कार्यालय परिसर में स्थित सार्वजनिक शौचालय रिपेयरिंग के लिए गत डेढ़ माह से बंद है जिसका कार्य पूरा न होने से नगर परिषद की महिला व पुरुष कर्मचारियों के साथ शहर के नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है की गोंदिया शहर में वैसे ही सार्वजनिक शौचालय की भारी कमी है जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करने के साथ ही अनेकों बार महिलाओं को शर्मिंदा का सामना करना पड़ता है। गोंदिया नगर परिषद कार्यालय परिसर में एक सार्वजनिक शौचालय है जिसकी हालत काफी खराब हो चुकी थी जिसे रिपेयरिंग के लिए डेढ़ महापूर्व बंद किया गया था लेकिन डेढ़ माह में रिपेयरिंग का कार्य पूरा न होने से अब भी शौचालय में ताला लगा हुआ है जिससे नगर परिषद में कार्य करने वाले सैकड़ो महिला व पुरुष कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यालय में आने वाले नागरिकों वह बाजार परिसर के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय समय में कर्मचारी सौच के लिए कहां जाए यह एक गंभीर प्रश्न उनके सामने निर्माण हो गया है। विशेष यह की शौचालय की हालत इतनी जर्जर वह खस्ताहाल हो चुकी थी कि जिसका मल मूत्र नगर परिषद कार्यालय परिसर में ही बहता रहता था जिससे परिसर में गंदगी का आलम बना हुआ था रिपेयरिंग किया जाना एक अच्छा कार्य है लेकिन उपरोक्त कार्य को विलंब होने से कर्मचारी व नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिससे कार्यालय परिसर में ही आसपास के खुले स्थानों में कर्मचारियों व नागरिकों द्वारा मूत्र विसर्जन किया जा रहा है। 15 दिन में होगा शुरू नगर परिषद कार्यालय परिसर स्थित शौचालय का रिपेयरिंग का कार्य शुरू है जिसकी सेप्टिक टैंक का सुधार कार्य किया गया है तथा सीट व अन्य रिपेयरिंग का कार्य शुरू है तथा आगामी 15 दिनों में शौचालय शुरू हो जाएगा।

- राजीव जाधव नगर अभियंता नगर परिषद गोंदिया।

बोदलकसा तलाव में नौका विहार के लिए गए नौ युवको में से दो युवक डुबे

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के अंतर्गत आने वाले बोदलकसा जलाशय में बुधवार 10 जून की दोपहर नौका विहार करते समय अचानक नौका का संतुलन डगमगाने से 9 युवक डूब गए जिसमें से 7 युवको को बचाया गया तथा दो की तलाश शुरू है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोडा तहसील के अंतर्गत आने वाले बोदलकसा तलाव में तिरोडा तहसील के ग्राम बरबसपुरा निवासी 9 युवक बुधवार 10 जून की दोपहर पिकनिक मनाने गए थे। इसी दौरान मच्छी पकड़ने वाली छोटी नौका से बोदलकसा जलाशय में नौका विहार के लिए निकले जिसमें नौका का संतुलन डगमगा जाने से 9 युवक जलाशय में डूब गए जिसमें से 7 युवकों को बचाया गया तथा दो युवक गहरे पानी में डूब गए जिनकी समाचार लिखे जाने तक तलाश शुरू थी। गहरे पानी में डूबे युवकों में ग्राम बरबसपुरा निवासी मोहित वसंत रहांगडाले कुणाल शालिग्राम भोंडे है तथा जो युवको बचाया गया उनमें 1) अक्षय नरेंद्र बिसेन 2) राकेश राधेशाम लाडे 3) निखिल इंदल पटले 4) लक्की संजय रहांगडाले 5) प्रलय राधेशाम पारधी 6) मनीष रमेश कोकूडे 7) अविनाश श्रावण टेकाम का समावेश है। इस दुर्दैवी घटना की जानकारी प्राप्त होते ही तिरोडा गोरेगांव के विधायक विजय रहांगडाले वह तिरोडा पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंच कर तलाश कार्य शुरू किया गया जिसमें स्थानीय मछुआरों वह जिला आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा तलाश कार्य समाचार लिखे जाने तक शुरू था।

जिले के नदी घाटों से रेत उत्खनन बंद का जिलाधिकारी ने दिया आदेश 10 जून से 30 सितंबर तक रहेगा काम बंद

बुलंद गोंदिया। मानसून का मौसम सुरु हो चूका हे जिसे देखते हुए जिले के नदी के रेती घाटों से उत्खनन बंद करने का आदेश जिलाधिकारी मंगेश गोंदावले द्वारा दिया गया है जिससे 10 जून से आदेश लागू होगा वह 30 जून तक उत्खनन का कार्य बंद रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व वन विभाग मंत्रालय मुंबई द्वारा 16 फरवरी 2024 के शासन निर्णय व राजस्व वन विभाग मंत्रालय मुंबई 6 फरवरी 2025 के शासन आदेश अनुसार 2024 -25 व 2025 -26 इन 2 वर्षों के लिए गोंदिया जिले के पर्यावरण विभाग से मंजूरी प्राप्त 28 रेती घाट वह 9 शासकीय रेत डिपो कार्यान्वित किए गए हैं। उपरोक्त रेती घाटों को मंजूरी के अनुसार 9 जून तक रेती का उत्खनन कर रेती डिपो में संग्रहण करना अनिवार्य है तथा शासन निर्णय के अनुसार 10 जून से 30 सितंबर तक मानसून समय अवधि के दौरान रेट का उत्खनन नहीं किया जा सकता। जिले के आठों तहसीलदारों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में होने वाले उत्खनन के कार्य पर प्रतिबंध करवाई की जाए तथा इस दौरान यदि कोई अवैध रूप से उत्खनन करता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए हैं। इसके साथ ही 8 अप्रैल 2025 के शासन निर्णय के अनुसार जिले के नदी घाटों से की नीलामी की जानी है तथा नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण होने तक उपरोक्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार से रेती का अवैध उत्खनन व परिवहन ना हो इसके लिए नियंत्रण रखने के साथ ही संबंधित अधिकारी अपने स्तर पर कार्रवाई करें ऐसा निर्देश जिलाधिकारी मंगेश गोंदावले द्वारा जिले के सभी तहसीलदारों को दिया है।

पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी - ललित तावाडे

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता खातीया) -पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन करना हम सबकी नैतिक जबाबदारी है उक्त आशय के उदगार ग्राम खातिया के सरपंच ललित अर्जुन तावाडे ने ग्राम खातिया मे आयोजित ग्रामपंचायत प्रशासन खातिया व महाराष्ट्र शासन वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित जागतिक पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर सरपंच ललित तावाडे, वनपरिक्षेत्र अधिकारी ए.बी भगत,वनपाल एस.एम.यादव, ग्रामपंचायत अधिकारी दिव्यांनी डोंगरे,ग्रामपंचायत सदस्य विजेंद्र मेश्राम, सुरजलाल खोटेले, रक्षा फुंडे, राजकुमार तावाडे,साला प्रबंधन समिती के अध्यक्ष शिवशंकर खोटेले, उपाध्यक्ष योगराज बहेकार,पोलीस पाटील विनायक राखडे, सामाजिक कार्यकर्ता प्रतापसिहं जरवार, अंगणवाडी सेविका सुनीता शिवनकर, सहायका बाबीता महारवाडे, स्वास्थ्य विभाग के एम.एम. गोडाने,आशा सेविका बोहरे जिल्हा परिषद पाठशाला के शिक्षक काटेवार,मटानी वन मजूर बल्ले, ग्रामपंचायत कर्मचारी आनंद बागडे,जितू राहिले,प्रवीण खोटेले आदी प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अवसर पर जिल्हा परिषद पाठशाला, व ग्राम के स्वास्थ विभाग परिसर मे अनेक पौधे लगाये गए।

सरकारी हॉस्टलों में आदिवासी छात्रों के लिए ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया शुरू

बुलंद गोंदिया। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिस द्वारा संचालित लड़कों और लड़कियों के सरकारी हॉस्टलों में प्रवेश चाहने वाले अनुसूचित जनजाति के प्री-मैट्रिक छात्रों के लिए नए एडमिशन और रिन्यूअल शामिल हैं। इस प्रक्रिया में स्वयं पोर्टल(https://swayam.mahaonline.gov.in/Login/Login) के ज़रिए ऑनलाइन प्रक्रिया 4 जून, 2026 को शुरू हो गई है। इसके अलावा, जूनियर कॉलेज कोर्स के लिए भी रिन्यूअल एप्लीकेशन स्वीकार किए जा रहे हैं। इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, देवरी के प्रोजेक्ट ऑफिसर उमेश काशिद ने अनुसूचित जनजाति के ज़्यादा से ज़्यादा छात्रों से इन सरकारी हॉस्टलों में एडमिशन के लिए अपने ऑनलाइन एप्लीकेशन जमा करने की अपील की है।

जिलाधिकारी कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग सतर्कता से टला बड़ा हादसा

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिलाधिकारी कार्यालय में गुरुवार 4 जून की दोपहर अचानक निवासी उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई किंतु सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। गौरतलब है कि भीषण गर्मी के चलते आग लगने की घटनाओं में जिले में काफी बढ़ोतरी हो रही है जिसमें अनेक मामले शॉर्ट सर्किट से आग लगने के सामने आ रहे हैं। इस प्रकार का एक मामला गुरुवार 4 जून की दोपहर 3 से 3.30 बजे के दौरान सामने आया जब जिलाधिकारी कार्यालय के प्रथम तल पर स्थित निवासी उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। आग लगी देखते ही तत्काल परिसर में हड़कंप मच गया किंतु जिलाधिकारी के अंगरक्षक द्वारा तत्काल अग्निशमन यंत्र लाकर आग पर फायर किया जिससे तत्काल आग बुझ गई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। रात में होता तो बड़ी घटना घटित होती जिलाधिकारी कार्यालय में दिन में ही शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना घटित हुई यदि यह हादसा रात में होता तो आग विकराल रूप धारण कर सकती थी लेकिन दिन में आग लगने से तत्काल इस और ध्यान जाने से आग बढ़ नहीं पाई वह तत्काल उसे बुझा लिया गया जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

संपादकिय...

सरकारी चम्मच हटाएं

अपव्यय की शेखियों में अगर सरकारी उपक्रम घाटे की मंजिल बन जाएं, तो इस पाप की शिनाख्त होनी चाहिए। आम तौर पर सरकारी उपक्रमों पर लादे गए पद व ऐसे ओहदों की सुविधाओं से जाया हुई जवाबदेही का जिक्र नहीं होता, लेकिन जब कभी सरकार संज्ञान लेती है, तो मालूम होता है कि कहीं गुण दोष के आधार पर बड़े फैसले हो सकते हैं। पर्यटन विकास निगम के इतिहास में एक ओर 147 करोड़ का घाटा और दूसरी ओर काम का ढर्रा यह कि ओहदे पूजे जा रहे हैं। एक बड़े फैसले का इंतजार खत्म करते हुए सरकार ने एचपीटीडीसी की इकाइयों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक व निदेशक मंडल के सदस्यों को मिलने वाली रियायतों को समाप्त कर दिया है। रोचक तथ्य यह है कि इन पदाधिकारियों को मात्र सौ रुपए में कमरा और खाने में पचास प्रतिशत की छूट उपलब्ध थी। ये छूट नहीं, बल्कि छूट के सिलसिलों को कुछ इस तरह बांटती रही कि निदेशक मंडल की बैठकों में सदस्यों को फ्री सेवाएं तत्पर रहीं। इतना ही नहीं प्रबंध निदेशक के बच्चों की शादियों पर ठहरने की व्यवस्था में पचास और खाने की व्यवस्था में चालीस प्रतिशत की छूट भी उपलब्ध थी, जबकि परिवहन व्यवस्था पर भी 20 प्रतिशत की छूट मिलती रही। इसे हम कैंकड़ा व्यवस्था कह सकते हैं। किसी ने छूट के नियमों में झांकने तक की कोशिश नहीं की। ऐसे कई छेद सार्वजनिक उपक्रमों के औचित्य, उनकी मेहनत व कर्मचारियों के सरोकारों को बदनाम करते हैं। जाहिर तौर पर ऐसी छूट की नियमावली दरअसल सियासी अंकगणित के तहत कार्य करती है। आश्चर्य यह कि पर्यटन की नीतियों का सत्यानाश सरकारी होटलों में ही होता रहा। प्रदेश में जिस तरह सैलानियों का आगमन इस वक्त शिखर पर है, तो इस दौर में कोई होटल-रेस्तरां असफल कैसे हो सकता। सफल होटल भी घाटे में आ सकता है, अगर उसके संचालन की शर्तें व्यावसायिक नहीं होंगी या घाटे की जवाबदेही तय नहीं होगी। इस परिप्रेक्ष्य में अगर सुक्खू सरकार एक ही झटके में पर्यटन निगम से चिपकी स्वार्थ की छूट को खत्म कर रही है, तो यह एक दीर्घकालीन प्रक्रिया के तहत अन्य सार्वजनिक उपक्रमों की छानबीन करते हुए, अनावश्यक खर्चों को कम कर सकती है। हिमाचल में किसी भी सरकार का प्रदर्शन परिवहन निगम के संचालन व छवि पर निर्भर करता है। अतीत में कई तरह के प्रयोग करके परिवहन सेवाएं अगर आज प्रदेश को गतिशील बनाती हैं, तो इसमें एचआरटीसी की भूमिका रही है, लेकिन अब प्रबंधकीय गिरावट का कोई न कोई उदाहरण सडकों पर बेबस सरकारी बस की हालत देख कर पेश होता है। कहने को एक साथ 26 नई वोल्वो बसों की खरीद करके हिमाचल पथ परिवहन निगम ने एक नया संकल्प लिया, लेकिन कार्यशैली में बदलाव न होने के कारण कोई आशाजनक परिवर्तन नहीं आया। इसके बरअक्स निजी वोल्वो बसों की कतार में सरकारी बसों के रूट ही अप्रासंगिक हो गए। सवाल आमदनी और खर्च से कहीं आगे राजनीतिक इच्छाओं के कारण कातिल हो गया और अनावश्यक ढांचे-अफसरशाही और जवाबदेही के अभाव में सारा कुनबा बिखर रहा है। ऐसे में क्या सुक्खू सरकार अनावश्यक डिपो की तादाद घटा कर सरकारी बसों के संचालन को उपभोक्ता की उम्मीदों और विश्वास के अनुरूप करेगी।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं के लिए रोज़गार के बड़े अवसर

बुलंद गोंदिया। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2026 के तीसरे चरण की घोषणा कर दी गई है। इसके तहत देश भर के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को कॉर्पोरेट जगत में व्यावहारिक काम का अनुभव देने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में कौशल विकास के अवसर प्रदान करना है। मुख्य विशेषताएं और बदलाव 12 अप्रैल 2026 से लागू नए नियमों के अनुसार योजना में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं ।बढ़ा हुआ स्टाइपेंड चयनित उम्मीदवारों को अब 9,000 का मासिक स्टाइपेंड मिलेगा। इसका एक हिस्सा कंपनियों द्वारा दिया जाएगा, जबकि बाकी राशि सीधे उम्मीदवार के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से जमा की जाएगी।

आयु सीमा-आयु सीमा के नियमों में ढील दी गई है; अब 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पात्र हैं।

शैक्षिक योग्यता-जिन छात्रों ने 10वीं या 12वीं कक्षा, ITI, डिप्लोमा या स्नातक की डिग्री पूरी कर ली है - साथ ही जिनके पास पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री और MBA योग्यता है - वे अब आवेदन करने के पात्र हैं।

अवधि-इंटर्नशिप की अवधि को अधिक लचीला बनाया गया है और यह 6 से 9 महीने तक की होगी। वित्तीय सहायता शामिल होने पर, उम्मीदवारों को आकस्मिक खर्चों को पूरा करने के लिए ?6,000 की एकमुश्त अनुग्रह राशि (e&-gratia grant) मिलेगी।

पंजीकरण कैसे करें-इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक सरकारी पोर्टल= https://pminternship.mca.gov.in पर अपना पंजीकरण पूरा करना होगा। पंजीकरण के दौरान शैक्षिक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। एक उम्मीदवार को तीन अलग-अलग इंटर्नशिप के लिए आवेदन करने की अनुमति है।

पात्रता मानदंड-उम्मीदवार वर्तमान में किसी पूर्णकालिक नौकरी में नहीं होने चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार के किसी भी सदस्य के पास सरकारी नौकरी नहीं होनी चाहिए। यह योजना सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और IT सहित 20 से अधिक क्षेत्रों की 300 से अधिक प्रमुख कंपनियों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करती है। कौशल विकास विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर राजू माटे ने युवाओं से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया गोंदिया स्थित ज़िला कौशल विकास, रोज़गार और उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाएँ या कार्यालय से 07182-299150 पर संपर्क करें।

उल्लू को मिला जीवनदान नागरिकों और वन विभाग के प्रयास से बची जान

साकोली-सुबह की सैर पर निकले नागरिकों की सतर्कता और वन विभाग के त्वरित सहयोग से एक जंगल उल्लू का जीवन बचाने में सफलता मिली. आवारा कुत्तों के हमले का शिकार होने की स्थिति में पहुंचे इस दुर्लभ पक्षी को समय रहते सुरक्षित बचाकर वन विभाग की देखरेख में सौंप दिया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह भ्रमण के दौरान डॉ. जितेंद्र कुमार ठाकुर ने घायल अवस्था में उल्लू को देखा और स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल संबंधित लोगों को सूचना दी. उनके आह्वान पर युवराज मनोहर बोबडे (सर्पमित्र), केदारजी तरोने (सेवानिवृत्त अधिकारी), एस. जी. खंडागले (बीट रक्षक), राकेश बोरकर, नरेश रामटेके सहित अन्य नागरिक मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान में सहयोग किया. सर्पमित्र बोबडे ने तत्परता दिखाते हुए घुबड़ को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और उसे आवारा कुत्तों के हमले से बचाया.

सालेकसा तहसील की जमाकुडो ग्रा.पं. के भर्रीटोला का मामला नल के जल में मिले जहरीले सांप के अवशेष; दहशत फैली

दरेकसा -गोंदिया जिले की सालेकसा तहसील की जमाकुडो ग्राम पंचायत के भर्रीटोला में वार्ड 3 में मंगलवार, 9 जून को नल से जलापूर्ति के दौरान जहरीले सांप के चमड़े जैसा अवशेष दिखाई दिया. इससे लोगों में भय व्याप्त हो गया. ग्रामीणों ने तत्काल पानी को फेंक दिया तथा लोगों से सावधानी बरतते हुए नल के पानी का उपयोग नहीं करने को कहा. ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से दूषित जलापूर्ति हो रही है. इस संबंध में कई बार ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से शिकायत भी की गई, लेकिन समस्या हल नहीं हो पाई. ग्रामीणों का कहना है कि दूषित पानी पीने से लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है. जलजनित तथा संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है.

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से जलापूर्ति व्यवस्था की तत्काल जांच कराने, पानी की गुणवत्ता की जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. गांव में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की भी मांग की गई. इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी रोहिणी उके ने बताया कि जमाकुडो के भर्रीटोला में स्थापित सौर ऊर्जा आधारित पेयजल व्यवस्था पिछले एक माह से बंद है. इससे पानी की टंकी में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही और टंकी का पानी उपयोग में नहीं लिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि गांव के बोरवेल की मरम्मत कर उसे चालू कर दिया गया है तथा उसका पानी पीने योग्य है. सौर ऊर्जा प्रणाली बंद रहने तक टंकी के पानी का उपयोग न करें और पेयजल के लिए बोरवेल का पानी इस्तेमाल करें.

श्री जीवन गौरव फाउंडेशन ने बांटे पौधे

आमगांव-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री जीवन गौरव फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से पौधों का वितरण किया गया. इस अभियान के तहत ग्राम बनगांव स्थित आंगनवाड़ी क्रमांक-2 में आंगनवाड़ी सेविका संगीता फुंडे को पौधा भेंट कर वृक्षारोपण का संदेश दिया गया. इसके अलावा बालासाहेब ठाकरे आपका दवाखाना में भी पौधों का वितरण किया गया. इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीलिमा मस्के, नर्सिंग ऑफिसर पूजा बहेकार, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी डॉ. के. डी. हेमने तथा एचएलएल लैब फ्लेबोटोमिस्ट दिशा दमाहे उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और पौधों के संवर्धन के महत्व पर भी चर्चा की गई. उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में श्री जीवन गौरव फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष भोला गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि पौधारोपण सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने का सतत अभियान है.

नगर पंचायत की आपातकालीन फायर वाहन व्यवस्था फेल नागरिकों में गुस्सा आर्टिफिशियल फ्लावर्स दुकान में आग

लाखनी-नगर से सटे राष्ट्रीय महामार्ग पर स्थित मुरमाडी परिसर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पंकज कपड़ा बाजार के बाजू में स्थित तशिस आर्टिफिशियल फ्लावर्स दुकान में अचानक भीषण आग लग गई. यह आग देखते ही देखते भयावह रूप लेती चली गई और पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसने कुछ ही मिनटों में दुकान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया. आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों का नुकसान की आशंका है. हालांकि, इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि समय रहते आसपास के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. पंकज कपड़ा बाजार के संचालक पंकज गुरुनानी ने अपने प्रतिष्ठान में रखे अग्निशमन यंत्र का उपयोग कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया. उनकी इस सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के कारण आग आसपास की अन्य दुकानों तक फैलने से बच गई और एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई. लाखनी नगर पंचायत की आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है.

अधिकारियों की ओर से पैसे कौन देगा जैसे सवाल

सबसे गंभीर आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि मौके पर सहायता के लिए संपर्क करने पर जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से पैसे कौन देगा जैसे गैर-जिम्मेदाराना सवाल उठाए गए, जिससे लोगों में भारी नाराजगी फैल गई. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही आपातकालीन सेवाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और नागरिक नगर पंचायत प्रशासन की कार्यशैली

पर सवाल उठा रहे हैं. लोगों का कहना है कि यदि फायर सेवा समय पर पूरी तैयारी के साथ मौके पर पहुंचती, तो दुकान को पूरी तरह जलने से बचाया जा सकता था. इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था, दुकान कापू संसाधनों की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं की तत्परता को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है

शराब विक्रेता को महिलाओं ने पकड़ा

गोंदिया-देवरी तहसील के ग्राम फुटाना/हलदी में महिलाओं ने अवैध शराब विक्रेता को दबोचकर उसे चिचगढ़ पुलिस को सौंप दिया. उसके पास से शराब भी जब्त की गई. आरोपी का नाम निखिल मोरेश्वर देशमुख बताया गया है. जानकारी के अनुसार, फुटाना हलदी में शराब बंदी की घोषणा की गई है. महिलाओं को पिछले कुछ दिनों से जानकारी मिल रही थी कि आरोपी निखिल देशमुख गांव के ग्राम पंचायत चौक में अवैध शराब बिक्री का व्यवसाय कर रहा है. जिसके बाद महिलाओं ने आरोपी को रंगेहाथों पकड़ने की योजना बनाई. जब आरोपी निखिल देशमुख शराब बिक्री का व्यवसाय कर रहा था, तभी बड़ी संख्या में महिलाएं उसके अड्डे पर पहुंच गई और उसे शराब बेचते हुए रंगेहाथ दबोच लिया. महिलाओं ने उसके पास से दोपहिया की सीट के नीचे शराब की बोतलें जब्त कीं. महिलाओं ने चिचगढ़ पुलिस को इसकी जानकारी दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया. पुलिस ने आरोपी की मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35-एके 2893 सहित शराब जब्त कर उसके खिलाफ विविध धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

टिप्पर की टक्कर से 4 बच्चे और 1 वृद्ध घायल

रावनवाड़ी-तहसील के काटी में रेत से भरे टिप्पर की चपेट में आने से चार बच्चे व एक 65 वर्षीय वृद्ध घायल होने की घटना सामने आई. घटना के बाद नागरिकों ने रास्ता रोको आंदोलन किया. कुछ देर बार पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त किया गया. जानकारी के अनुसार, तेढ़वा रेती घाटल से अवैध उत्खनन कर ट्रैक्टर व टिप्पर तेज गति से काटी- बघोली-मुरपार-रजेगांव मार्ग से चलते हैं. इन रेत से भरे वाहनों से कई बार दुर्घटनाएं घटित हुई है. जिसके चलते क्षेत्र नागरिकों में रोष है. इसी बीच घर के आगे खेल रहे चार बच्चे रेत से भरे टिप्पर ने की चपेट में आने से घायल हो गए साथ ही एक 65 वर्षीय वृद्ध भी घायल हो गया. सभी दुर्घटना के शिकर हुए बच गए, अन्यथा बड़ी घटना घटित हुई रहती. घायलों में काटी निवासी मित राऊत, लोवांशी राऊत, वानी राऊत, देवांशिका राऊत व छगनलाल राऊत (65) बताया गया है. घटना के बाद पूर्व जिप सदस्य व काटी के नागरिकों ने रास्ता रोको आंदोलन किया. कुछ देर बाद पुलिस प्रशासन से मिले आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त किया गया. पिछले सप्ताह ही काटी ग्रापं प्रशासन ने तेढ़वा रेत घाट व अन्य स्थानों से मुरुम का अवैध उत्खनन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित विभाग को लेखी शिकायत कर काटी-बघोली-मुरपार-रजेगांव मार्ग से तेज गति से चलने वाले टिप्पर व ट्रैक्टर पर कार्रवाई की मांग की थी. लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अभी तक कार्रवाई नहीं की गई.

पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला

भंडारा- दो महीने पुराने मोबाइल गुम होने के विवाद को लेकर 2 आरोपियों ने मिलकर एक व्यक्ति पर पत्थरों और लात-घूसों से हमला कर दिया. इस मारपीट में पीड़ित के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं. पुलिस सूत्रों के अनुसार शिवाजी वार्ड, परसोडी निवासी शंकर भोजराम निरगुडकर (44) पर खरबी निवासी बादल प्रफुल्ल मेश्राम (30) ने दो महीने पहले आरोप लगाया था कि शंकर ने उसका गुम हुआ मोबाइल फोन चुराया है, इसलिए वह उसे नया मोबाइल खरीद कर दे. इसी पुरानी रंजिश के चलते दोपहर करीब 1.30 बजे जब शंकर प्राफेक्स तालाब के सामने भीमपहाड़ी रोड के किनारे खड़े थे, तब आरोपी बादल मेश्राम वहां पहुंचा. बादल ने पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करते हुए शंकर पर हमला कर दिया और उन्हें जमीन पर गिरा दिया. इसके बाद आरोपी ने पास ही पड़ा एक भारी पत्थर उठाकर शंकर के सिर पर दो बार दे मारा. इसी दौरान बादल के साथ मौजूद उसके एक अन्य 28 वर्षीय साथी ने भी शंकर के साथ मिलीभगत कर उन्हें लात-घूसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उनके चेहरे-सिर पर गंभीर चोटें आईं. दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए

पंजीयन 10 तक, धान खरीद 30 जून तक ही धान खरीदी पंजीयन की समय सीमा में विस्तार

गोंदिया-राज्य सरकार ने खरीफ पणन सीजन 2025-26 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत धान और मोटे अनाज की खरीदी के लिए किसान पंजीयन की समय सीमा फिर से बढ़ा दी है. अब किसान 10 जून 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं और धान खरीदी की समय सीमा 30 जून 2026 तय की गई है.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस संबंध में 8 जून पहले को आदेश जारी कर दिए हैं. गई थी. लेकिन, विभिन्न स्तरों से समय पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मई तक दी सीमा बढ़ाने की मांग के चलते सरकार ने किसानों को दस दिन की अतिरिक्त मोहलत दी है. इस फैसले से गोंदिया जिले के हजारों धान किसानों को बड़ी राहत मिलेगी. जो किसान विभिन्न कारणों से अभी तक पंजीयन नहीं करा पाए हैं, उन्हें अब एक मौका मिला है और उनसे समय पर पंजीयन पूरा करने का आग्रह किया गया है. सरकार के निर्देशानुसार धान के साथ-साथ ज्वार, बाजरी, मक्का और रागी जैसी दालों की खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया 10 जून तक जारी रहेगी.

लाभार्थी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करें

आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि इस तिथि के बाद किसी भी परिस्थिति में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा. इस बीच, जिला प्रशासन और खरीदी यंत्रणा को इस विस्तार का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं. सरकार के इस फैसले से गोंदिया जिले के किसानों को धान की बिक्री के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने का एक और मौका मिल गया है.

निजी वाहनों के भरोसे सालेकसा के ग्रामीण
अनेक गांवों में अब तक महामंडल की एसटी बस नहीं

सालेकसा-तहसील के कई गांवों में अब तक महामंडल की एसटी बस नहीं पहुंचने से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को जान जोखिम में डालकर निजी वाहनों से सफर करना पड़ रहा है. वहीं अनेक लोग तो पैदल ही सफर करते हैं. जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. आदिवासी बहुल, नक्सलग्रस्त के तौर पर सालेकसा तहसील को पहचाना जाता है. यहां के अनेक गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं. अनेक गांवों का समावेश नक्सलग्रस्त क्षेत्र में हैं. ऐसे क्षेत्रों में पानी से लेकर मूलभूत सुविधाएं तक नहीं है. नक्सल प्रभावित गांव होने से शासकीय अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी व विविध शासकीय कर्मचारी यहां मौजूद नहीं रहते. जिससे ऐसे गांवों का विकास ही नहीं हो पाता. आजादी के इतने वर्षों बाद भी तहसील के गांव मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है. गांवों में पीने के पानी के लिए अब तक शासकीय योजना नहीं पहुंच पाई है. कई मार्गों का काम अधूरा है तो कई गांवों तक सड़क ही नहीं पहुंच पाई है. गांवों में किसी भी तरह के शासकीय कार्यालय नहीं है. कुछ गांवों में मार्गों का डामरीकरण हुआ है. लेकिन अब तक ऐसे मार्गों पर एसटी बस नहीं पहुंच पाई है. चिकित्सालय, कृषि विभाग कार्यालय में जाने के लिए अनेक गांवों के नागरिकों के लिए एसटी बस की सुविधा नहीं होने की वजह से निजी वाहनों में सफर करते हैं. अनेक गांवों में मार्ग की सुविधा होने के बाद भी एसटी बस नहीं दौड़ रही है. जिसकी वजह से नागरिक परेशान नजर आ रहे हैं.

गंगाझरी के प्रदर्शनकारियों की मांग, अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू
आरोप झूठे निकले तो फांसी पर लटका दो

गोंदिया- जिले के गंगाझरी ग्राम पंचायत में करोड़ों रुपये के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जांच की मांग तेज कर दी है. सोमवार को आयोजित चर्चा बैठक में प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि 193 उनके लगाए गए आरोप झूठे साबित होते हैं तो उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया जाए, लेकिन यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए. इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने 8 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है. ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने करीब एक माह पहले ग्राम पंचायत में व्याप्त अनियमितताओं की शिकायत जिला प्रशासन से की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. चर्चा के दौरान पूर्व सरपंच सोनू घरड़े पर विभिन्न विकास कार्यों और खरीद प्रक्रियाओं में गड़बड़ी करने के आरोप लगाए गए. ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत के अधिकांश ठेके सरपंच द्वारा ही संचालित किए गए, जिससे फर्जी बिलों के माध्यम से लाखों रुपये का गबन हुआ.

लाभार्थियों को सामग्री दिए बिना ही बिल निकाले

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मृत नागरिकों के परिजनों को नि:शुल्क जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराने की योजना में भी अनियमितता की गई और लाभार्थियों को सामग्री दिए बिना उनके नाम पर बिल निकाले गए. इसके अलावा सामान्य निधि से अधिक दरों पर सामग्री खरीद, जमीन बिक्री, शोष गड्ढा, नाडेप टैंक, आंगनवाड़ी व स्कूल मरम्मत, साउंड सिस्टम तथा टीवी खरीदी में भी गड़बड़ी होने का दावा किया गया.

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज होगा

चर्चा में ग्रामीणों ने ई-टेंडर प्रक्रिया के बिना यू.के. इलेक्ट्रॉनिक के नाम पर लाखों रुपये के भुगतान के दस्तावेज प्रस्तुत करने का दावा किया. उनका कहना है कि पांच वर्षों के संचित खर्च का पूरा लेखा-जोखा ग्रामसभा में प्रस्तुत नहीं किया गया और सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई. ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है. साथ ही चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा.

चिचगढ़ पुलिस की कार्रवाई, वाहन चालक फरार
संदिग्ध कार से शराब सहित 2.81 लाख का माल जब्त

गोंदिया-चिचगढ़ थाना क्षेत्र में रात्रि गश्ती कर रही पुलिस टीम ने एक संदिग्ध कार का पीछा कर भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब का जखीरा जब्त किया है. यह कार्रवाई गोठनपार-वडेकसा के बीच वन क्षेत्र में की गई. इस कार्रवाई में पुलिस ने गोवा कंपनी की 231 बोतल विदेशी शराब व चौपहिया वाहन ऐसा कुल 2,81,185 रु. का माल जब्त किया है. चिचगढ़ थाने के कर्मचारी रात के दौरान गश्त कर रहे थे. इसी दौरान सुबह एक चौपहिया वाहन क्र. सीजी 08 एजे 8334 संदिग्ध स्थिति में ककोड़ी की ओर जाते हुए दिखाई दिया. संदेह होने पर वाहन को रोकने के लिए बोला गया. लेकिन चालक ने वाहन की गति बढ़ा दी. वाहन का पीछा कर वाहन को गोठनपार- वडेकसा के बीच स्थित वन क्षेत्र में पकड़ा गया. इस दौरान वाहन चालक घटनास्थल से फरार हो गया. इस कार्रवाई में पुलिस ने गोवा कंपनी की 31,185 रु. कीमत की 131 बोतले व 2.50 लाख रु. कीमत का चौपहिया वाहन ऐसा कुल 2,81,185 रु. का माल जब्त कर लिया. आरोपी की तलाश जारी है. यह कार्रवाई सहायक पुलिस निरीक्षक जनार्दन हेगडकर, हवलदार राऊत, मरस्कोल्हे ने की है.

नाबालिग का वीडियो वायरल
5 आरोपियों पर मामला किया दर्ज

भंडारा-तुमसर तहसील के गोबरवाही पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला सामने आया है. पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर गोबरवाही पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ पोक्सो अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, यह घटना 24 अप्रैल 2026 की बताई जा रही है, जबकि 8 जून को वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद परिजनों को इसकी जानकारी मिली. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी तथा पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भंडारा जिला अस्पताल भेजा गया. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस मामले में पांच आरोपियों की संलिप्तता है. मामले की जांच की जा रही है. आरोपी भावेश यादव, क्षितिज पटले, करण पटले, शांतनु सोनवाने तथा बाल्या उर्फ करण चौधरी है. सभी आरोपी तुमसर तहसील के डोंगरी बुद्रुक या बाजारटोला क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं. मामले की जांच संबंधित पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में जारी है. घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में रोष व्याप्त है और लोगों ने दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

लोहे की रॉड से मारकर किया घायल

गोंदिया-ग्रामीण थाने के तहत ग्राम इर्री में तीन आरोपियों ने जमीन की बाड़ को लेकर विवाद कर दो लोगों पर लोहे की रॉड से प्रहार कर दिया. जिसमें दोनों घायल हो गए. इर्री निवासी फिर्यादी जितेंद्र चुन्नीलाल बंसोड (36) ने आरोपी राहुल धनवान डहाट (32) से कहा कि तु मेरे जमीन से कम्पाउंड बाड़ निकाल ले. इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ व आरोपी घर चले गया. थोड़ी देर बार आरोपी राकेश धनवाल डहाट (30), राहुल डहाट (32) व अमन धनवान डहाट (28) फिर्यादी के घर के आगे आए व विवाद कर गालीगलौज करने लगे. साथ ही लोहे की रॉड से फिर्यादी पर प्रहार कर दिया. फिर्यादी का छोटा भाई बीचबचाव करने आया तो उस पर भी लोहे की रॉड से प्रहार कर दिया. जिसमें दोनों घायल हो गए. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

ट्रेन की चपेट में आने से 1 की मौत

गोंदिया-हावड़ा-मुंबई रेलवे मार्ग पर आमगांव स्टेशन के पास महादेव पहाड़ी परिसर में ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही आमगांव पुलिस व रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा पंचनामा कर आगे की जांच शुरू की. बताया गया कि मृतक की उम्र 30 से 35 वर्ष है.

वूशु एसोसिएशन की नई कार्यकारणी घोषित

गोंदिया-भारतीय ओलंपिक संघ, महाराष्ट्र ओलंपिक संघ व वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त ऑल महाराष्ट्र वूशु एसोसिएशन द्वारा ली गई नई कार्यकारणी में नागपुर विदर्भ से सुनील शेंडे को चुना गया और राज्यस्तर पर ऑल महाराष्ट्र वूशु एसोसिएशन में सदस्य पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया. नए कार्यकारिणी में ऑल महाराष्ट्र वूशु एसोसिएशन अध्यक्ष के रूप संदीप खारडेकर, महासचिव एल. एस. कटके का चयन किया गया. विशेष उपस्थिति दादासाहेब भोरे, मंजूश्री खारडेकर और सभी पदाधिकारी व सेमिनार में उपस्थित 34 जिलों के 112 रेफरी के समक्ष सुनील शेंडे का भाजपा महाराष्ट्र के प्रवक्ता अध्यक्ष संदीप खारडेकर, वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहसचिव तथा महाराष्ट्र ओलम्पिक एसोसिएशन सदस्य सोपान कटके के हस्ते सत्कार किया गया.

पिकअप की टक्कर से 2 लोग घायल

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत ग्राम पंचशील चौक में पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें दो लोग घायल हो गए. ताड़गांव निवासी रवि जगदीश वल्के (35) अपनी भतीजी अनन्या के साथ मोटरसाइकिल क्र. एमएच 40 4153 से जा रहा था. इसी दौरान ग्राम पंचशील चौक के पास पिकअप वाहन क्र. एमएच 35 एजे 5340 का चालक बीना इंडिकेटर दिए अपना वाहन पीछे ले रहा था. इसी दौरान रवि ने मोटरसाइकिल का ब्रेक दबा दिया, जिससे वह गिर गए व दोनों घायल हो गए.

अधिकारी के साथ मारपीट प्रकरण की जांच करें
नप कर्मचारियों ने अध्यक्ष को ज्ञापन

तिरोड़ा-अहेरी नगर पंचायत में कार्यरत टैक्स एवं प्रशासकीय अधिकारी वैभव पांढरे पर कार्यालय में अजय कंकडलवार और उनके साथियों द्वारा कथित रूप से मारपीट किए जाने की घटना के विरोध में नगर परिषद कर्मचारी संगठन ने कड़ी नाराजगी जताई है. संगठन का कहना है कि यह केवल एक अधिकारी पर हमला नहीं, बल्कि पूरी शासकीय व्यवस्था और कानून के शासन पर हमला है. संगठन के अनुसार, शासकीय कर्तव्य का निर्वहन कर रहे अधिकारी के साथ हुई इस घटना से अहेरी नगर पंचायत सहित जिले के अन्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का माहौल उत्पन्न हो गया है. इससे भविष्य में अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है. नगर परिषद कर्मचारी संगठन ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर अजय कंकडलवार और उनके साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत कठोर आपराधिक मामला दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है. साथ ही शासकीय कर्मचारियों पर हमले की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानूनी कदम उठाने और सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय लागू करने की भी मांग की गई है.कामबंद करने की दी गई चेतावनी संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकरण में तत्काल और कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो राज्य नगर परिषद संवर्ग अधिकारी संगठन के माध्यम से बेमियादी कामबंद आंदोलन शुरू किया जाएगा. इस संबंध में संगठन की ओर से अध्यक्ष अशोक असाटी और शिक्षा सभापति देवेंद्र तिवारी को हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निवेदन सौंपा गया.

वैनगंगा में नाव पलटी, 2 की डूबकर मौत
कर्चखेड़ा में 7 युवक वैनगंगा पर नहाने गए थे

भंडारा-भंडारा तहसील के कर्चखेड़ा में वैनगंगा नदी के किनारे रविवार शाम को हुए एक दुखद हादसे में दो युवक नदी में डूब गए, जबकि पांच अन्य युवक तैरकर किनारे तक पहुंचने में कामयाब रहे और अपनी जान बचाई. मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार 7 जून शाम करीब 6.30 बजे सात लोग एक प्राइवेट नाव में वैनगंगा नदी के बीच में बने टापू पर नहाने गए थे. नहाने के बाद लौटते समय नाव अचानक नदी के बीच में असंतुलित हो गई और पलट गई. इस अचानक हुए हादसे में सभी लोग पानी में गिर गए. (उम्र 34, निवासी अंबेडकर वार्ड, भंडारा) और कृष्णा जगन्नाथ बोकड़े (उम्र 26, निवासी चांदनी चौक, भंडारा) दोनों गहरे पानी में डूब गए. आकाश केवट (27), सुबोध विलास ढोक (26), काशीनाथ फत्तू मेश्राम (32), मृणाल बालकृष्ण मंडूकर (20) और अर्जुन मोतीराम मेश्राम (29) सावधानी बरतते हुए तैरकर नदी से बाहर निकलने में कामयाब रहे. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई. जिला कंट्रोल रूम के निर्देश पर जिला सर्च और रेस्क्यू टीम को तुरंत बुलाया गया. देर रात तक सर्च ऑपरेशन जारी था. सूत्रों ने बताया कि नदी में पानी की तेजी और अंधेरे की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलें आ रही थी. इस घटना से कर्चखेड़ा परिसर में गमगीन माहौल है.

प्रशासन को कड़े एहतियाती कदम उठाने की आवश्यकता

लोगों ने मांग की है कि नदी में नाव से सफर करते समय जरूरी सुरक्षा सावधानी बरती जाए. खासकर मानसून के समय में नदी का पानी का लेवल और बहाव खतरनाक हो जाता है, इसलिए प्रशासन को और कड़े एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है. इस मामले में आगे की जांच चल रही है. प्रशासन ने बताया है कि सर्च ऑपरेशन युद्ध स्तर पर चल रहा है.

मांगें पूरी न होने पर 16 से चक्का जाम की चेतावनी
आरटीओ कर्मचारियों ने की सांकेतिक हड़ताल

गोंदिया-आरटीओ कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की. गोंदिया के आरटीओ कर्मचारियों ने कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित किया. साथ ही, अगर सरकार इसके बाद भी कोई समाधान नहीं निकालती है, तो संगठन ने 16 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है. इससे वाहन लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, कर भुगतान सहित सभी आरटीओ सेवाएं बाधित होने की संभावना है. संगठन के पत्र के अनुसार, मोटर वाहन विभाग और सरकार के बीच टकराव तेज हो गया है. कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान न होने पर हड़ताल की चेतावनी बरकरार रखी गई है. सरकार ने 23 सितंबर 2022 को प्रवेशोत्तर नियमों के लंबित रहने के कारण विभाग के कृतिबंध को मंजूरी दे दी है. लेकिन अभी तक प्रवेशोत्तर सेवा नियमावली तैयार नहीं हो सकी है. इससे कर्मचारियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है विभाग के 56 कर्मचारियों को दी गई पदोन्नति रद्द कर दी गई है और उन्हें पदावनत कर दिया गया है. समयबद्ध पदोन्नति, सुनिश्चित प्रगति योजना, द्वितीय श्रेणी प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति के साथ-साथ प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण जैसी विभिन्न मांगें अभी भी लंबित हैं. इस मुद्दे को सुलझाने के लिए 3 जून को परिवहन मंत्री प्रतापराव सरनाईक की मौजूदगी में एक बैठक हुई थी. लेकिन, संगठन का आरोप है कि प्रशासन ने फिर से तकनीकी मुद्दे उठाए और मामले में देरी की. मांगें पूरी न होने पर 16 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है.

फर्जी कागजात दिखाकर ठगी

गोंदिया-डुग्गीपार थाने के तहत खोबा के एक शिक्षक ने फर्जी कागजात दिखाकर सरकार को गुमराह कर धोखाधड़ी की. इस मामले में डुग्गीपार पुलिस ने खोबा निवासी उमेश गुलाब बागड़कर (37) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, खोबा निवासी उमेश बागडकर शिक्षक पद पर कार्यरत हैं. उसने निर्माण मजदूर के तौर पर पंजीयन के लिए महाराष्ट्र इमारत व अन्य बांधकाम कामगार कल्याण मंडल के पोर्टल पर 90 दिनों का काम किया ऐसे फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया. वहीं कार्यालय के कर्मचारियों पर झूठे आरोप लगाकर दबाने का प्रयास किया. साथ ही फर्जी कागजात दिखाकर आर्थिक फायदे के लिए सरकार को गुमराह किया. फिर्यादी मंगला विजय मसराम (51) की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

लाठी से प्रहार

गोंदिया-देवरी थाने के तहत भरेंगांव निवासी फिर्यादी अनिरूद्ध भागवत खोटोले अपने खेत जमीन पर खड़ा था. आरोपी ट्रैक्टर से खाद फिर्यादी के जमीन से ले जा रहा था. फिर्यादी ने उसे मेरे खेत से ट्रैक्टर मत ले जा, यहां से निकाल ले, ऐसा कहा. आरोपी ताराचंद खोटोले, गुनेश्वर खोटोले ने साठगांठ कर फिर्यादी के साथ लाठी से मारकर घायल कर दिया.

सिरपुरबांध में बुनियादी सुविधाओं का अकाल

देवरी-तहसील के सिरपुरबांध क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की जहां कई घोषणाएं हुई है, वहीं पर्यटकों के लिए स्थापित बुनियादी सुविधाएं वास्तव में दयनीय स्थिति में हैं. बांध क्षेत्र में लाखों रु. की लागत से बनाए गए शौचालय व स्नानघर पानी के अभाव में बेकार पड़े रहने से पर्यटकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय निवासी इस बात पर अपना रोष व्यक्त कर रहे हैं कि पर्यटकों की सुविधा के लिए बनाए गए शौचालयों में नियमित जलापूर्ति की कोई व्यवस्था नहीं है और यह सुविधा केवल दिखावा विकास है. जिन जगहों पर पानी उपलब्ध नहीं है, वहां शौचालय स्थापित करने के पीछे क्या योजना थी? ऐसा सवाल भी उठ रहा है. पर्यटन विकास के नाम पर लाखों की निधि खर्च की गई. लेकिन यह तस्वीर रखरखाव, स्वच्छता और जलापूर्ति जैसे बुनियादी कुओं की पूर्ण उपेक्षा को दर्शाती है. सिरपुरबांध क्षेत्र में हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं. शौचालय व अन्य सुविधाएं समुचित स्थिति में नहीं रहने के कारण पर्यटन स्थल की छवि धूमिल हो रही है.

सिर्फ तस्वीरें पोस्ट करना विकास नहीं

सिर्फ निर्माण करना और तस्वीरें पोस्ट करना विकास नहीं है. यह महत्वपूर्ण है कि सुविधाओं का वास्तव में उपयोग किया जाए. इस बीच संबंधित विभाग को इस समस्या पर अविलंब ध्यान देकर शौचालयों में स्थायी जलापूर्ति, नियमित सफाई व रखरखाव की व्यवस्था शुरू करनी चाहिए.

अन्यथा लाखों रु. की यह सुविधा अंतत: शोपीस बन कर रह जाएगी.

गोंदिया तहसील के 2700 घरकुल लाभार्थी महिनो से किस्त की प्रतीक्षा मे घरकुल निर्माण कार्य अधुरे बारिश का मौसम सिर पर

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता खातीया) – गोंदिया तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में लगबग 2700 घरकुल लाभार्थीयो को घरकुल बांधकाम की किस्त नही मिलने से वे काफी समस्याओ से गुजरते हुए नजर आ रहे है जिसके चलते लाभार्थीयो का सरकार के प्रति तीव्र रोष दिखाई दे रहा है। सरकार के माध्यम से गरीब जरुरत मंद लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना, मोदी आवास योजना, रमाई आवास योजना जैसी विभिन्न आवास योजना के माध्यम से घरकुल बनाने के लिए एक अनुदान दिया जाता है परंतु यही अनुदान की की राशि समय पर नही मिलने से अनेक घरकुल निर्माण कार्य अटके हुए है। अधूरे घरकुल निर्माण कार्य से लाभार्थी अब परेशानी मे नजर आ रहे है क्योंकि कुछ ही दिनो मे बारिश भी आ जायेगी ऐसे मे घर की छत नही होने से बारिश के दिनो मे किस तरह रह पायेंगे ऐसी गंभीर समस्या उनके सामने निर्माण हो रही है। सरकार के प्रती घरकुल लाभार्थीयो मे तीव्र रोष दिखाई दे रहा है आवास योजना के लाभार्थीयों की माने तो उनके बताये अनुसार किस्त कब आएगी इसके लिए वे अपने गाव की ग्रामपंचायत, रोजगार सेवक, जेई, व पंचायत समितीचे बार-बार चक्कर लगाने पड रहे है।

सरकार से निधी की मांग

घरकुल लाभार्थीयों की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया व घरकुल लाभार्थीयो को समय पर किस्त दि जाय व उनकी समस्या का जल्द निराकरण हो इसके लिए संबंधित वरिष्ठ विभाग को पत्रव्यवहार भी किये व सरकार कि ओर से घरकुल लाभार्थीयो को निधी देने मंग कि है.

–मुनेश रहागंडाले सभापती पंचायत समिती गोंदिया।

रमाई आवास योजना मे निधी होने के के बावजूद लाभार्थी के खाते मे नही जा रही है किस्त प्राप्त जानकारी अनुसार रमाई आवास योजना के खाते मे निधी तो उपलब्ध है परंतु लाभार्थी के खाते मे किस्त जमा नही हो रही है या समस्या गत एक महा से चल रही है ऐसे मे रमाई आवास योजना के लाभार्थी परेशान नजर आ रहे है रमाई आवास योजना के लाभार्थीयो के माध्यम से सरकार से यह मांग की जा रही है की निधी होने के बाद भी खाते मे पैसे नही आना यहा एक गंभीर समस्या है जिसे संबंधित विभाग ने जल्द से जल्द इस समस्या का निराकरण करना चाहिए कुछ दिनो मे बारिश के सुरू होने पर घरकुल निर्माण कर रहे लाभार्थीयो को अनेक समस्या का सामना करना पडेगा।

नगराध्यक्ष, पुलिस निरीक्षक पर्वते ने चलाई साइकिल

गोंदिया–विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिलिंग संडे ग्रुप की ओर से शहर में साइकिल रैली का आयोजन किया गया. इस रैली के माध्यम से साइकिल चालकों ने साइकिल चलाओ, प्रदूषण से बचो तथा फिट इंडिया, हिट इंडिया तथा साइकिल चलाओ, सेहत बनाओ% का संदेश देकर जनजागरण किया. इस रैली में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे तथा गोंदिया शहर थाना के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते ने स्वयं साइकिल चलाकर जनजागरण किया. साइकिलिंग संडे ग्रुप की ओर से आयोजित इस रैली में 8 वर्ष के बच्चों से लेकर 85 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों तक, हर आयु वर्ग के साइकिल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. यह रैली जयस्तंभ चौक से शुरू हुई. रैली को तहसीलदार शमशेर पठान व यातायात पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर लगभग 5 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद इंदिरा गांधी स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई. इस अवसर पर बड़ी संख्या संगठनों में चिकित्सक, विभिन्न सामाजिक के प्रतिनिधि, स्कूल व कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, महिलाएं, पुलिस कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी उपस्थित थे. समापन समारोह में सभी प्रतिभागी साइकिल चालकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए. गोंदिया साइकिलिंग संडे ग्रुप पिछले नौ वर्षों से प्रत्येक रविवार साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता आ रहा है. आयोजित रैली में 500 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया.

मास्टर्स श्रेणी में 35.42 अंक प्राप्त योगासन चैंपियनशिप में दिव्या ने जीता स्वर्ण

गोंदिया–प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक दिव्या नितिन भोजवानी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है. उन्होंने अहमदाबाद (गुजरात) स्थित एका एरिना में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया. दिव्या ने 45 से 55 वर्ष आयु वर्ग की मास्टर्स श्रेणी में 35.42 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया. उन्होंने रोमानिया और न्यूजीलैंड के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस श्रेणी में रोमानिया की प्रतिभागी दूसरे तथा न्यूजीलैंड की प्रतिभागी तीसरे स्थान पर रहीं. इस प्रतियोगिता में न्यूजीलैंड, रोमानिया, नीदरलैं ओमान, उज्बेकिस्तान, अमेरिका, बोत्सवाना, इटली, सेशेल्स सहित 70 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन योगासन भारत, वर्ल्ड योगासन तथा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया. दिव्ययोग फाउंडेशन, गोंदिया जिला योग संघ, योगासन भारत के सचिव डॉ. जयदीप आर्य, डॉ. संजय मालपानी, डॉ. आनंद बालयोगी, डॉ. आरती पाल, डॉ. सी. वी. जयंती, रोहित कौशिक आदि ने दिव्या को उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी है.

पाइप लाइन बिछाने सड़कें खोदीं, उड़ती धूल पर पानी का छिड़काव तक नहीं मरम्मत की नहीं जा रही शहरवासियों में बढ़ रहा श्वसन रोग का खतरा

गोदिया–गोंदिया शहर की सड़कों पर कहीं गटर लाइन योजना के तहत पाइप-लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है तो कहीं जलापूर्ति योजना के लिए सड़कों की खुदाई की जा रही है। लेकिन इन विकास कार्यों के कारण पूरा शहर धूल के गुबारों में ढंका दिख रहा है। जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी है। जहां कार्य चल रहा है, वहां न तो पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही समय पर मरम्मत का कार्य हो रहा है। इससे शहरवासियों में श्वसन रोग की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। शहर के मटन मार्केट से बाजपेयी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर कई दिनों से गटर लाइन योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। इस मार्ग पर यातायात का दबाव अधिक होने के कारण लगातार धूल के गुबार उड़ रहे हैं। इससे सड़क किनारे रहने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि जब से यह कार्य शुरू हुआ है, तब से उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। धूल इतनी अधिक उड़ रही है कि घरों की खिड़कियां हमेशा बंद रखनी पड़ती हैं। खिड़कियां खोलें तो अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है और बंद रखें तो घुटन महसूस होती है। इसी प्रकार बाजार की मेन लाइन से नेहरू चौक होते हुए सिविल लाइन जाने वाली सड़क पर जलापूर्ति योजना के तहत पाइप लाइन बिछाई जा रही है। यह कार्य इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। जहां पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है, वहां गड्ढों में मिट्टी भर दी गई है, लेकिन यह मिट्टी पूरी सड़क पर फैल गई है। धूल और मिट्टी के कण श्वसन मार्ग के जरिए नागरिकों के शरीर में पहुंच रहे हैं। मार्ग से सटी चौपाटी पर बड़ी संख्या में लोग व्यंजनों का आनंद लेने पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें धूल से प्रभावित खाद्य पदार्थों का सामना करना पड़ रहा है। पाइप-लाइन बिछाने के बाद गड्ढों में मिट्टी तो डाली जा रही है, लेकिन उस पर पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है और न ही सड़कों की शीघ्र मरम्मत की जा रही है। इसके कारण शहरवासी धूल की समस्या से गंभीर रूप से परेशान हैं। इस ओर प्रशासन व संबंधित विभाग को गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक है।

ओमप्रकाश बोहरे के नेत्रों का मरणोपरांत दान

गोंदिया–ओमप्रकाश बोहरे (75) का मंगलवार 9 जून को निधन हो गया। उनके निधन उपरांत उनकी पत्नी अंजना बोहरे एवं पुत्र नरेंद्र बोहरे ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान के लिए सहमति प्रदान की और उनके परिवार द्वारा नेत्रदान का पुण्य कार्य संपन्न किया गया। इस महान नेत्रदान से दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश का संचार होगा। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों एवं सेवा मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्व. ओमप्रकाश बोहरे को श्रद्धांजलि भावपूर्ण अर्पित करते हुए परिवार के इस निर्णय की सराहना की तथा सभी नागरिकों से मृत्यु उपरांत नेत्रदान का संकल्प लेने एवं मानव सेवा के इस महायज्ञ में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस नेत्रदान अभियान में डॉ. रोशन कुर्वे, भाविका बघेले एवं राजेंद्र भांडारकर के साथ ही हमेशा की तरह नेत्रदान की सेवा में समर्पित नेत्र मित्र नरेश लालवानी गोंदिया नागपुर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

मुरूम की जगह बिछाई जा रही मिट्टी, विकास की आड़ में भ्रष्टाचार का आरोप मातोश्री पैदल मार्गों के नाम पर भ्रष्टाचार का खुला खेल

प्रशासनिक निगरानी पर उठे सवाल, ग्रामीणों की उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

गोरेगांव–सरकार की महत्वाकांक्षी मातोश्री पैदल रस्ता योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को खेतों तक सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सड़कों का निर्माण किया जा रहा है. लेकिन तहसील के ग्राम कलपाथरी समेत खाडीपार क्षेत्र के कई गांवों में इस योजना के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मुरुम के बजाय साधारण मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे लाखों रु. की सरकारी निधि पर सवाल खड़े हो गए हैं. ग्रामीणों के अनुसार पैदल रास्तों के निर्माण में गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है. जिन रास्तों को किसानों के लिए टिकाऊ और उपयोगी बनाया जाना था, वे निर्माण के दौरान ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते दिखाई दे रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारी मिलकर सरकारी धन का दरुपयोग कर रहे हैं निर्माण कार्य के लिए तैयार किए गए प्राकलन (एस्टीमेट) में स्पष्ट रूप से गुणवत्तायुक्त मुरुम बिछाने का प्रावधान बताया गया है. इसके बावजूद मौके पर मुरुम के बजाय साधारण मिट्टी डाली जा रही है. ग्रामीणों का कहना है कि इससे सड़क की मजबूती पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है. मानसून शुरु होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. ऐसे में किसानों को डर है कि पहली तेज बारिश के साथ ही मिट्टी से बने ये रास्ते कीचड में तब्दील हो जाएंगे यदि ऐसा हुआ तो किसानों का खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा और सरकारी धन भी व्यर्थ चला जाएगा. ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों तक पहुंचने के लिए पैदल रास्ते अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं. यदि रास्ते खराब हो गए तो कृषि कार्य, बीज और खाद की दुलाई तथा फसल परिवहन जैसी गतिविधियां प्रभावित होंगी. इसका सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है. ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच रहा है. इतनी गंभीर अनियमितताओं के बावजूद प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है. लोगों का कहना है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण ही यह स्थिति पैदा हुई है. ग्रामीणों ने तहसील के अंतर्गत निर्मित सभी पैदल रास्तों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. साथ ही एस्टीमेट के विपरीत कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने तथा लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करने की मांग भी उठाई है. ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बारिश के मौसम में किसानों का आक्रोश आंदोलन का रूप ले सकता है

ध्यान साधना शिविर में मार्गदर्शकों ने कहा मेंटल स्ट्रेस दूर करने मेडिटेशन बहुत ही असरदार तरीका

पुलिस को स्वस्थ और तनाव मुक्त रखने पुलिस मुख्यालय कारंजा में शिविर का आयोजन

गोदिया–आज के तनाव भरे युग में पुलिस बल के अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात ड्यूटी करते हैं, जिसके कारण वे विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। उनके शरीर को स्वस्थ और तनाव मुक्त रखने पुलिस अधीक्षक गोंदिया गोरख भामरे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोंदिया (कैंप देवरी) अभय डोंगरे द्वारा 6 जून को प्रेरणा हॉल, पुलिस मुख्यालय गोंदिया करंजा में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजयोग शिक्षा एवं अनुसंधान फाउंडेशन (आरईआरएफ), ज्ञान सरोवर अकादमी, माउंट आबू (राजस्थान) के गाइड डॉ. ई.वी. स्वामीनाथन, शैलेंद्र भाई, कैप्टन शिव सिंह, रत्नमाला दीदी और ब्रह्मा कुमारी गोंदिया के विनोद हरिणखेडे, नम्रता बहेन, लीलाधर भाई व यादोराव मस्के का जिला पुलिस की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शकों ने कहा कि विभिन्न कारणों से तनाव का स्तर बढ़ गया है। दुनिया भर में हुई रिसर्च से यह साबित हो चुका है कि मेंटल स्ट्रेस दूर करने के लिए मेडिटेशन एक बहुत असरदार तरीका है। इस बैकग्राउंड में, पुलिस को अपने मन से बात करने, स्ट्रेस को पहचानने और उसे पॉजिटिव तरीके से संभालने के लिए जरूरी गाइडेंस दी गई, ताकि वे नेगेटिविटी से पॉजिटिविटी की ओर बढ़ सकें, जिससे उनका मेंटली काबिल, कॉन्फिडेंट और बैलेंस्ड बन सकें, साथ ही इमोशनल बैलेंस, फैसले लेने और लाइफ स्किल्स डेवलप हो सकें। इसके बाद वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों ने मेडिटेशन का अनुभव किया और मेडिटेशन करना शुरू किया। शिविर में पुलिस उपअधीक्षक रामदास शेवते, पुलिस निरीक्षक नंदिनी चानपुरकर साथ ही गोंदिया जिले के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पुलिस निरीक्षक नंदिनी चानपुरकर व आभार प्रदर्शन थानेदार सोलकसा भूषण बुराडे ने किया। शिविर के के सफलतार्थ राजेश सरोदे, मुस्तफा सरवर, चंद्रकांत बरकुंड, संतोष चौधरी, राज वैद्य, अतुल कोल्हाटकर, पल्लवी गजभिये सहित पुलिस मुख्यालय गोंदिया के डी.आय. स्टाफ ने प्रयास किया।

रेलवे स्टेशन में सेवा भावना को समर्पित सराहनीय पहल यात्रियों को जलजीरा का वितरण

गोंदिया–दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा व सेवा भावना को समर्पित एक सराहनीय पहल के तहत श्री किराना तेल व्यापारी संघ, गोंदिया के सौजन्य से प्लेटफॉर्म क्र. 3 व 4 पर आने-जाने वाली ट्रेनों के यात्रियों, विशेषकर सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) के यात्रियों तथा प्लेटफॉर्म पर उपस्थित यात्रियों के बीच लगभग 500 लीटर शीतल जलजीरा का नि:शुल्क वितरण किया गया. गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम को यात्रियों द्वारा अत्यंत सराहा गया. जलजीरा वितरण के दौरान बड़ी संख्या में यात्रियों ने इसका लाभ उठाया तथा आयोजनकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया. नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने इस प्रकार की जनहितकारी व सामाजिक सहभागिता वाली पहलों की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से सेवा कार्यों को भी प्रोत्साहित करता है.

सामाजिक संगठनों का सहयोग सदैव प्रेरणादायक

इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने श्री किराना तेल व्यापारी संघ, गोंदिया द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यात्रियों की सुविधा व कल्याण के लिए सामाजिक संगठनों का सहयोग सदैव प्रेरणादायक रहा है. रेल प्रशासन ने इस सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले श्री किराना तेल व्यापारी संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की.

बाइक फिसलने से महिला की हुई मौत

गोंदिया–देवरी तहसील के पाउलझोला निवासी राधिका गोविंद मरकाम (31) अपने पति के साथ मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर कोरची-गढ़चिरोली मार्ग से पिपरखारी जंगल में तेंदूपत्ता संकलन के लिए जा रही थी. इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल ग्राम पिपरखारी के पास फिसल गई. जिसमें महिला के सिर पर गंभीर चोटे आई. उसे प्राथमिक उपचार के बाद सरकार अस्पताल गोंदिया भेजा गया. जहां से उसे मेडिकल कॉलेज नागपुर रेफर कर दिया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. चिचगढ़ पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार मरस्कोल्हे कर रहे हैं.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।